LOK SABHA

Tuesday, July 18, 1967/Asadha 27, 1889 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock.

[MR. SPEAKER in the Chair]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Exhibition abroad of Old Indian Paintings and Pieces of Art

+

*1981. **Shri Bibhuti Mishra:**
Shri K. N. Tiwary:

Will the Minister of Tourism and Civil Aviation be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Air-India have preserved many old Indian paintings and pieces of art;

(b) whether it is also a fact that these paintings and pieces of art were flown to Auckland for the Auckland Festival 1967 Art Exhibition along with some many prominent Indian artists; and

(c) if so, their impact on the people there?

The Deputy Minister in the Ministry of Tourism and Civil Aviation (Shrimati Jahanara Jaipal Singh): (a) Air-India have in their possession 10 miniatures and 400 modern paintings.

(b) 24 contemporary paintings and 8 miniatures were flown by Air-India to Auckland for the Auckland Festival 1967 Art Exhibition, but no artist was sent by Air-India to Auckland with the paintings.

(c) The paintings were highly acclaimed and were a source of considerable publicity to India generally, and Air-India in particular.

श्री विभूति मिश्र : मैं जानना चाहता हूं कि सरकार कोई ऐसी योजना बना रही है कि भारत सरकार के पुरातत्व विभाग के पास बहुत से पेंटिन्ग्स हैं और पुराने कला-कौशल की चीजें हैं, विभिन्न प्रदेशों के पास भी हैं और बहुत से व्यक्ति गत लोगों के पास हैं तो सब को इकट्ठा कर के या उन की फोटो लेकर के भारत सरकार विदेशों में इस तरह प्रदर्शन करे ताकि लोगों को मालूम हो कि किस हद तक हमारी कला आगे थी, उस के लिए सरकार कोई योजना बना रही है ?

पर्यटन तथा असैनिक उड्डयन मंत्री (डा० कर्ण सिंह) : ऐसी योजना तो एजूकेशन मिनिस्ट्री में होगी । एयर इंडिया के सामने तो कोई ऐसी योजना नहीं है कि सारे एकत्रित कर के दिखलाये जायें । एयर इंडिया के सामने पास तो अपनी पेंटिंग्स हैं, जो वह समय समय पर बाहर ले जाते हैं ।

श्री विभूति मिश्र : मैं समझता हूं कि जो एयर इंडिया की पेंटिंग्स आप के पास हैं उस को वह बाहर दिखाते हैं तो उस से हिन्दुस्तान का चित्र अधूरा रह जाता है तो मैं चाहता हूं कि एयर इंडिया यदि विदेशों में इस तरह की चीजों को दिखा रहा है तो एयर इंडिया समग्र रूप से सभी चीजों को इकट्ठा कर के दिखाये तो उस से पता चलेगा कि हिन्दुस्तान का आर्ट कितना आगे बढ़ा हुआ है । तो क्या कोई इस तरह की योजना एयर इंडिया की तरफ से बनायी जा रही है ताकि हमारा जो आर्ट है वह दुनिया में आगे बढ़े ?

डा० कर्ण सिंह : यह अच्छा सुझाव है और इस के ऊपर विचार किया जायगा ।

श्री क० ना० तिवारी : मेरी समझ मे बात नहीं आती है कि कुछ आर्टस एजूकेशन के हाथ में हैं और कुछ एयर इंडिया के हाथ में हैं, तो यह जो आर्टस, पुराने आर्टस इन से एयर इंडिया का क्या सरोकार है क्यो उस बात को वह डील करते है और इस मे कितना खर्च एयर इंडिया को देना पड़ता है ?

डा० कर्ण सिंह : मैं कुछ अर्ज करूं । यों तो आर्ट बहुत से लोगो के पास है, अपने म्यूजियम मे और व्यक्तियो के पास भी है । एयर इंडिया ने पिछले पन्द्रह बीस साल मे कुछ ऐसे चित्र खरीदे है अपने कामर्शियल परपजेज के लिये, वह इसलिए कि अपने जो कैलेंडर्स बनाते है है या अपनी पब्लिसिटी करते हैं उस मे इन का प्रयोग करते है । तो यह तो हर एक जो ऐसी कंपनियां होती हैं उन के अपने इस्तेमाल के लिए इस तरह के चित्र होते हैं, कुछ दफ्तर में रहते हैं और कुछ ऐसे चित्र होते है कि जो विदेश में जब कोई एग्जीबीशन हो तो वहां ले जाते है । और मैं समझा नहीं कि क्या जानकारी चाहते हैं ?

श्री क० ना० तिवारी : खर्च का मैंने पूछा कि खर्चा कितना पड़ता है ?

श्री भोला नाथ : कल अखबारो में खबर थी कि एयर इंडिया मे महाराजा का जो ओल्ड चित्र है उस को उड़ा ले जाते हैं, तो क्या उस को हटाएंगे ?

डा० कर्ण सिंह : महाराजा का चित्र ओल्ड आर्ट का नहीं है, वह नवीन है ।

श्री अचल सिंह : क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि इन पेंटिंग्स के अलावा और कौन कौन से हिन्दुस्तान के क्यूरियों अकलैंड भेजे गए हैं ?

डा० कर्ण सिंह : आकलैंड मे तो छः छः प्राचीन चित्र और 24 आधुनिक चित्र ले गए है ।

Super Bazars

+

*1202. **Shri Yashpal Singh:**
Shri S. C. Samanta:
Shri Onkar Lal Berwa:
Shrimati Sushila Rohatgi:

Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) whether Super Bazars have failed in their objective of controlling the rise in prices;

(b) if so, the reasons therefor; and

(c) the remedial measures taken in this regard?

The Minister of State in the Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation (Shri M. S. Gurupadaswamy): (a) No, Sir.

(b) Question does not arise

(c) Question does not arise.

श्री यशपाल सिंह : क्या मैं यह जान सकता हूं कि मंत्री जी की बुद्धिमत्ता की इतनी धाक है लेकिन फिर भी आज आज तक यह सुपर बाजार जो हैं यह डेफिसिट में रन कर रहे है इस का क्या कारण है और क्या कभी यह अन्दाजा लगाया है कि एक सेल्समैन के ऊपर कितना खर्चा आता है और कितनी आमदनी होती है ?

Shri M. S. Gurupadaswamy: Sir, I am grateful to him for the compliments May I say that we are in the initial stages of development so far as super bazars are concerned and it is not in every case that there has been a loss Only in a *very few cases* we find losses.